अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
वार्षिक साधारण सभा का कार्यवृत
२३ अगस्त २०२५, केंद्रीय कार्यालय सभागार, कोलकाता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की साधारण वार्षिक सभा शनिवार, २३ अगस्त २०२५ को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के सभापतित्व में केंद्रीय कार्यालय सभागार, कोलकाता एवं (जूम के माध्यम से) आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्यों की उपस्थिति रहीः-

श्री शिव कुमार लोहिया	श्री पवन कुमार गोयनका	श्री नन्द लाल रुँगटा	श्री संतोष कुमार सराफ
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया (जूम)	डॉ. सुभाष अग्रवाल (जूम)	श्री दिनेश जैन	श्री कैलाशपति तोदी
श्री महेश जालान (जूम)	श्री सुरेश अग्रवाल (जूम)	श्री नंदकिशोर अग्रवाल	श्री केदारनाथ गुप्ता
श्री पवन कुमार जालान	श्री आत्माराम सोंथलिया	श्री पियूष क्याल	श्री इंद्रचंद महरीवाल
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका	श्री अमित मुँधड़ा	श्री जगदीश गाड़ोदिया	श्री नथमल भीमराजका
श्री रवि लोहिया	श्री नवीन कुमार जैन	श्री राजेश कुमार सोंथलिया	श्री पंकज भालोटिया
श्री सीताराम शर्मा	श्री प्रदीप जीवराजका	श्री गणेश अग्रवाल	श्री बिनोद बियानी
श्री अरुण मल्लावत	श्री दिलीप कुमार चौधरी	श्री गोपाल अग्रवाल	श्री अनील मलावत
श्री आर पी मोदी	श्री दीपक छापड़िया	श्री पवन पाटोदिया	श्री सज्जन बेरिवाल
श्री रोशन तुलस्यान (जूम)	श्री प्रकाश हरलालका (जूम)	श्री कृष्णा शर्मा (जूम)	श्रीमती सुषमा अग्रवाल (जूम)
श्री चंडी प्रसाद डालमिया (जूम)	श्री मनोज टिबड़ेवाल (जूम)	श्री प्रकाश पटवारी (जूम)	श्री लड्डू खीरवाल (जूम)
श्री बी.डी. अग्रवाल (जूम)	श्री प्रमोद बाजला (जूम)	श्री राजेश थरड़ (जूम)	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (जूम)
श्री अंकित केजरीवाल (जूम)	श्री अशोक डालमिया (जूम)	श्री सज्जन खंडेलवाल (जूम)	श्री नीलम अग्रवाल (जूम)
श्री किशोर जाजू (जूम)	श्री दिनेश (जूम)	श्री महेश (जूम)	श्रीमती उर्मिला बंका (जूम)
श्री मृगांक कुमार (जूम)	श्री रमेश अग्रवाल (जूम)		

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दीः-

श्री संजय हरलालका	श्री पवन बसंल	श्री विश्वनाथ भुवालका	श्री शरत झुनझुनवाला
श्री रमेश खीरवाल	श्री बिष्णु पोद्दार	श्री भैरवदान सुराणा	श्री विनोद जैन
श्री शंकर जालान			

कार्यसूची १. राष्ट्रीय अध्यक्ष का संबोधन।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए लोहिया ने अपने संबोधन में कहा कि २०२३-२५ का सत्र अत्यंत गतिशील रहा है। इस सत्र में ५५०० से अधिक नये सदस्य बने हैं एवं ७७ नई शाखाओं का गठन हुआ है, जो कि कुल शाखाओ का २० प्रतिशत है। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि पूरे सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने कम से कम छोटे बड़े मिलाकर ६५ से अधिक शहरों का दौरा किया है एवं समाज बंधुओं से सीधा संवाद स्थापित किया है। अधिक से अधिक सदस्यों से सीधे संवाद स्थापित करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक एवं इंस्टाग्राम प्रारंभ किये गए हैं, जिससे कि सम्मेलन के सभी भागों के कार्यक्रमों एवं समाचारों को सदस्यों तक अविलंब पहुंचाई जा सके। सम्मेलन की पत्रिका समाज विकास के लिंक को प्रत्येक माह एसएमएस के द्वारा ५०००० समाज बंधुओं को भेजने का काम भी प्रारम्भ हुआ है। सम्मेलन के पंच सूत्री कार्यक्रमों की घोषणा की गई ताकि सभी प्रांत के कार्यक्रमो में एकरूपता रहे एवं सम्मेलन के उद्देश्यों को बल एवं सफलता मिले। इस प्रकार के अन्य पदक्षेप का भी शुभारंभ हुआ है जिसका लाभ सम्मेलन को भविष्य मे निरंतर मिलता रहेगा। सम्मेलन एक अद्वितीय सामाजिक संस्था है। उन्होंने संस्थापकों एवं पूर्वजों के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने इस प्रकार की संस्था समाज को उपहार के रूप में सौंपा है। हम यह तो जानते हैं कि हम क्या है लेकिन हमें यह नहीं मालूम कि हम क्या बन सकते हैं। सम्मेलन में अपार संभावनाएं हैं जिनको फलीभूत करना हम सब का कर्तव्य है। जितना हम सम्मेलन में गहरा उतरेंगे उतना ही सम्मेलन का हमें महत्व एवं गुरुत्व का आभास होता जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने अपना सहयोग देकर सत्र को इतना सफल बनाने में मदद की है।

कार्यसूची २. पिछली साधारण सभा का कार्यवृत पारित करना।

कार्यसूची के अनुसार सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पिछली वार्षिक साधारण सभा के कार्यवृत्त को सभा पटल पर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया। उपस्थित सदस्यों द्वारा कार्यवृत्त का अवलोकन करने के उपरांत उसे सर्वसम्मति से अनुमोदित एवं पारित किया गया।

कार्यसूची ३. सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के क्रियाकलापों पर प्राप्त हुए प्रतिवेदन पर चर्चा।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के दौरान संपादित विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रतिवेदन सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र में संगठनात्मक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं योजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिनमें पुस्तकालय स्थापना अभियान, 'सीखो राजस्थानी' कार्यक्रम, सम्मेलन मंच, संस्कार-संस्कृति चेतना अभियान, डिजिटलीकरण अभियान तथा सिक्किम प्रांत का गठन प्रमुख हैं।

उन्होंने आगे अवगत कराया कि इस सत्र में संविधान संशोधन एवं सम्मेलन भवन निर्माण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। संगठन के विस्तार के उद्देश्य से जिन प्रांतों में शाखाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम थी, वहाँ नई शाखाओं का गठन कर संगठन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए गए हैं।

चर्चा के दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रतिवेदन एवं विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनेक प्रश्न एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिनका राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने विस्तारपूर्वक उत्तर देते हुए अपेक्षित जानकारियाँ सभा को उपलब्ध कराईं। सभा ने प्रतिवेदन में उल्लिखित कार्यों की सराहना करते हुए संगठन के सतत विकास एवं विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यसूची ४. लेखा-परिक्षकों द्वारा जाँचे गये सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के 'आय-व्यय' का लेखा-जोखा तथा 'संतुलन-पत्र' पर विचार-विमर्श करना एवं उस पर स्वीकृति देना।

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता ने लेखा-परीक्षकों द्वारा परीक्षण किए गए वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन-पत्र सभा के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया। उन्होंने वित्तीय प्रतिवेदन के प्रमुख बिंदुओं से सदस्यों को अवगत कराते हुए वर्षभर की आय, व्यय एवं वित्तीय स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

चर्चा के दौरान अनेक सदस्यों ने वित्तीय प्रतिवेदन के संबंध में विभिन्न बिंदुओं पर स्पष्टीकरण एवं अतिरिक्त जानकारियाँ प्राप्त कीं तथा वित्तीय प्रबंधन को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने सभी प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का संतोषजनक उत्तर देते हुए आवश्यक जानकारी सभा को उपलब्ध कराई।

विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत लेखा-परीक्षकों द्वारा प्रमाणित वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के आय-व्यय विवरण एवं संतुलन-पत्र को सभा द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित एवं स्वीकृत कर दिया गया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल रूंगटा ने वर्तमान सत्र में संगठन द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों, संगठनात्मक विस्तार एवं विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों की सराहना करते हुए एक सराहना प्रस्ताव सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। उपस्थित सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे सर्वसम्मति से पारित किया।

कार्यसूची ५. लेखा-परिक्षक की नियुक्ति करना।

आगामी वार्षिक साधारण सभा तक की अवधि के लिए सम्मेलन के लेखा-परीक्षक की नियुक्ति पर विचार किया गया। विचार-विमर्श के उपरांत मेसर्स सी. के. अग्रवाल एंड कम्पनी को सम्मेलन का लेखा-परीक्षक नियुक्त करने का प्रस्ताव सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रस्ताव का समर्थन किए जाने पर मेसर्स सी. के. अग्रवाल एंड कम्पनी को आगामी वार्षिक साधारण सभा तक के लिए सम्मेलन का लेखा-परीक्षक सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया।

कार्यसूची ५. विविध राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति से।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सराफ ने 'सीताराम रूंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन' के निर्माण कार्य की प्रगति से सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि लगभग १५ वर्षों से लंबित भवन निर्माण परियोजना को वर्तमान सत्र में पुनः गति प्रदान की गई है। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के सतत प्रयासों एवं समन्वित पहल के परिणामस्वरूप भवन का मानचित्र (Building Plan) कोलकाता कॉरपोरेशन द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शेष औपचारिकताओं एवं बाधाओं का शीघ्र समाधान कर भवन निर्माण का कार्य जल्द प्रारंभ कर दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्कालीन प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रांत की विभिन्न शाखाओं के नियमित भ्रमण एवं संवाद से शाखाओं में नई ऊर्जा एवं सक्रियता का संचार हुआ है। उन्होंने बताया कि इस प्रेरणा का परिणाम यह हुआ कि अनेक शाखाओं ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति प्रदान की तथा वर्तमान में प्रांत की १४ शाखाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर शीतल जल (वॉटर कूलर) स्थापित करने का सेवा कार्य संचालित किया जा रहा है।

वित्तीय उप-समिति के अध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का व्यापक अभाव है। उन्होंने सुझाव दिया कि सम्मेलन को स्वास्थ्य शिक्षा, जन-जागरूकता एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में विशेष योजनाएँ संचालित करनी चाहिए, जिससे समाज को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हो सके।

चर्चा के क्रम में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्री अरुण गाड़ोदिया, रामगढ़ से श्री प्रकाश पटवारी, श्री अरुण मलावत एवं श्री आर. पी. मोदी सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भी संगठन की प्रगति, भावी योजनाओं एवं समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने महत्वपूर्ण विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वरिष्ठजनों, प्रतिनिधियों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैठक की सफल एवं गरिमामयी आयोजना के लिए सभी के सहयोग की सराहना की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **राष्ट्रीय महामंत्री**